Law of Demand

Prof. Bipin Kumar

बी० कॉ० - खण्ड - I
अर्थशास्त्र (अध्याय), [illegible]

माँग

[illegible] माँग की अवधारणा क्या है ? माँग के नियम की विभिन्न मान्यताओं को बतायें ?

उत्तर : माँग का नियम यह बतलाता है कि अन्य बातें समान रहने पर, एक वस्तु की कीमत घटती है तब उसकी माँग बढ़ जाती है - पुनः कीमत के बढ़ने पर उसकी माँग घट जाती है।

अर्थशास्त्रियों के अनुसार, माँग तीन प्रकार के होते हैं : (1) मूल्य माँग : अन्य बातें समान रहने पर मूल्य माँग वह माँग है जिसे एक उपभोक्ता एक निश्चित समय में विभिन्न कल्पित मूल्यों पर खरीदने के लिए तैयार रहता है।

(2) आय माँग : आय माँग से तात्पर्य वस्तुओं एवं सेवाओं की उन मात्राओं से लगाया जाता है, जो किसी समयावधि में अन्य बातें समान रहने पर एक उपभोक्ता आय के विभिन्न आय-स्तरों पर क्रय करने के लिए इच्छुक रहता है।

(3) आड़ी या तिरछी माँग : आड़ी माँग, एक वस्तु के लिए माँग की उन मात्राओं के परिवर्तन से है, जो उस वस्तु की कीमत में परिवर्तन न होकर किसी अन्य सम्बन्धित वस्तु की कीमत में परिवर्तन के फलस्वरूप होती है। इस प्रकार की माँग प्रतिस्थापन वस्तु या पूरक वस्तुओं के सम्बन्ध में पायी जाती है। अर्थात प्रतिस्थापन वस्तुएँ वे हैं, जो एक दूसरे के बदले में प्रयोग में लायी जाती हैं - जबकि पूरक वस्तुएँ वे वस्तुएँ हैं जो किसी विशेष की पूर्ति के लिए एक साथ प्रयोग में लायी जाती हैं।

अन्य माँग (प्रकार) :
संयुक्त माँग,
व्युत्पन्न माँग एवं
सामूहिक माँग,

अर्थात माँग के नियम के अनुसार वस्तु की कीमत एवं उसकी माँगी गयी मात्रा के बीच विपरीत सम्बन्ध होता है। अर्थात वस्तु की कीमत में कमी होने पर उसकी माँग बढ़ती है और वस्तु की कीमत में वृद्धि होने पर उसकी माँग में कमी होती है। माँग के नियम को प्रतिपादित करने का श्रेय प्रो० मार्शल को है। प्रो० मार्शल के अनुसार, "अन्य बातें समान रहने पर जैसे-जैसे वस्तु की कीमत में कमी होती जाती है, वैसे-वैसे उसकी माँग बढ़ती जाती है विपरीत इसके जैसे-जैसे वस्तु की कीमत में वृद्धि होती जाती है, वैसे-वैसे उसकी माँग घटती जाती है।

माँग का नियम निम्नलिखित मान्यताओं पर आधारित है —

उपर्युक्त परिभाषा से यह स्पष्ट है कि इसमें अर्थशास्त्रियों ने 'अन्य बातें समान रहें' वाक्य का प्रयोग किया है — इससे यह स्पष्ट होता है कि कीमत और माँग का संबंध कुछ प्रमुख मान्यताओं (सीमाओं) पर आधारित है :

(i) व्यक्ति की आय स्थिर रहनी चाहिए ।
(ii) उसके स्वभाव, रुचि, फैशन आदि में कोई परिवर्तन नहीं होना चाहिए ।
(iii) वस्तुओं की कीमत स्थिर रहनी चाहिए ।
(iv) वस्तु प्रतिष्ठा प्रदान करने वाली नहीं होनी चाहिए और
(v) कोई नई स्थानापन्न वस्तु की खोज नहीं होनी चाहिए और
(vi) भविष्य में वस्तु की कीमत में और अधिक परिवर्तन की संभावना नहीं होनी चाहिए।

इसे निम्नांकित तालिका एवं रेखाचित्र से समझा जा सकता है। उदाहरणस्वरूप, बाजार में जब नारंगी की कीमत प्रति नारंगी 50 पैसे है तब उपभोक्ता 10 नारंगियाँ खरीदता है। नारंगी की कीमत जब घटकर 40 पैसे हो जाता है तो उपभोक्ता 20 नारंगी खरीदता है। इसी प्रकार, 30 पैसे की कीमत पर 30 नारंगियाँ, 20 पैसे की कीमत पर 40 नारंगियाँ तथा 10 पैसे की कीमत पर उपभोक्ता 50 नारंगी खरीदते हैं अर्थात् जैसे-जैसे नारंगियों की कीमत घटती जाती है वैसे-वैसे उसकी माँग बढ़ती जाती है। इसे निम्नांकित तालिका सं.-1 में दिखलाया गया है :

माँग तालिका

नारंगियों का मूल्य		नारंगियों की माँग
50 पैसे	—	10 नारंगी
40 पैसे	—	20 ,,
30 पैसे	—	30 ,,
20 पैसे	—	40 ,,
10 पैसे	—	50 ,,

उपर्युक्त तालिका सं. 1 से यह स्पष्ट होता है कि जैसे-जैसे नारंगी का मूल्य घटता जाता है, वैसे-वैसे उसकी माँग भी

APRIL 2020

18

MARCH WEDNESDAY

Appointments

घटती जाती है अर्थात् जब नारंगी की कीमत 50 पैसे है तब उसकी माँग 10 है, 40 पैसे मूल्य पर 20 है, 30 पैसे मूल्य पर माँग 30 है, 20 पैसे मूल्य पर माँग 40 है तथा 10 पैसे मूल्य पर माँग 50 है।

इस प्रकार <u>इसे रेखाचित्र सं.-1</u> से निम्नलिखित रूप से स्पष्ट किया जा सकता है।

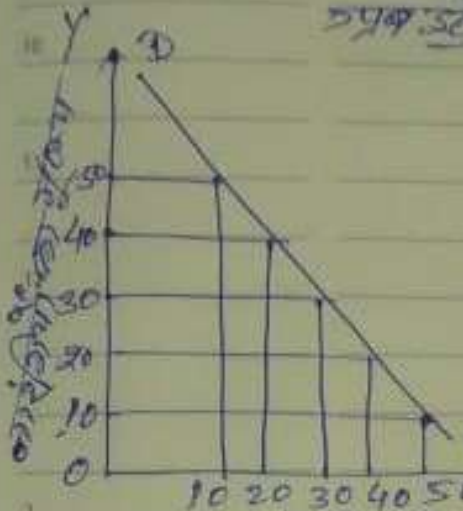

रेखाचित्र संख्या-1 में OX-रेखा के ऊपर नारंगी की माँग और OY-रेखा पर नारंगी की कीमत को दर्शाया गया है। इन बिन्दुओं को मिलाती हुई एक रेखा DD खींची गई है -- जिसे माँग वक्र कहा जाता है। माँग वक्र ऊपर से नीचे की ओर दाहिनी तरफ गिरता हुआ होता है जो यह स्पष्ट संकेत देता है कि जैसे-जैसे वस्तु की कीमत घटती जाती है, वैसे-वैसे उसकी माँग भी बढ़ती जाती है।

माँग का नियम लागू होने का प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं

1. आय प्रभाव
2. क्रेताओं की संख्या में परिवर्तन.
3. सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम.
4. प्रतिस्थापन प्रभाव

माँग के नियम के अपवाद निम्नांकित हैं !

कुछ विशेष परिस्थितियों में कीमत अधिक होने पर भी लोग वस्तुओं की अधिक मात्रा खरीद लेते हैं। ऐसी स्थिति में माँग वक्र नीचे की बजाय ऊपर की ओर जा सकता है.. ऐसी स्थितियों को माँग के नियम का अपवाद कहा जाता है। इसके प्रमुख अपवाद निम्नांकित हैं :

(i) वस्तु की कीमत में सुधार का प्रभाव
(ii) फैशन में परिवर्तन
(iii) प्रदर्शनकारी वस्तुएँ
(iv) दिखावट की (इच्छा)
(v) अज्ञानता.

विशेष विश्लेषण से माँग के विभिन्न आयाम का विश्लेषण हो जाता है।